



अनुक्रमणिका

भारत का भूगोल.....	2
(1) भौतिक विभाग.....	3
(2) जलवायु.....	31
(3) प्रमुख नदियां एवं झीलें.....	41
(4) सिंचाई.....	53
(5) कृषि : प्रमुख फसलें.....	58
(6) खनिज: धात्विक और अधात्विक.....	68
(7) प्रमुख औद्योगिक प्रदेश तथा प्रमुख उद्योग.....	74
(8) भारत के भूगोल से संबंधित मानचित्र.....	86
विश्व का भूगोल.....	106
(1) भौतिक स्वरूप:- पर्वत, पठार, मैदान एवं मरूस्थल.....	107
(2) प्रमुख नदियाँ एवं झीलें.....	125
(3) प्राकृतिक वनस्पति.....	138
(4) कृषि : प्रकार, वितरण तथा प्रमुख फसलें.....	140
(5) प्रमुख औद्योगिक प्रदेश तथा प्रमुख उद्योग.....	148
(6) परिवहन तन्त्र.....	159
(7) पर्यावरणीय मुद्दे.....	161
(8) विश्व भूगोल से संबंधित मानचित्र.....	173

Scan this QR code to attempt
topicwise PYQs →



(Indian Geography)



(World Geography)

प्रश्न बैंक में कोई गलती मिली? बधाई हो, आपकी तैयारी सही दिशा में जा रही है! 😊 **QR कोड → स्कैन करें** और हमें इसकी जानकारी दें। आपका इनाम? आपके शिक्षकों और ईश्वर का आशीर्वाद 🙌 - जो आपको इस परीक्षा में ही नहीं, बल्कि जीवन में भी सफल होने में मदद करेगा!





भारत का भूगोल



**(1) भौतिक विभाग**

1. निम्नलिखित में से कौन - से कथन **सही** है?

- (A) हिमालय का पश्चिमी भाग पूर्वी भाग की तुलना में अधिक चौड़ा है।
 (B) पूर्व में दबाव बल अधिक होने के कारण पूर्वी हिमालय अधिक ऊँचा है।
 (C) हिमालय के पूर्वी भाग में हिमरेखा की ऊँचाई 5700 मी तथा पश्चिमी भाग में 4200 मी है।

निम्न कूटों का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चुनाव कीजिये :

- (1) केवल (A)
 (2) केवल (B)
 (3) केवल (A) और (B)
 (4) केवल (A) और (C)
 (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर: (3)

व्याख्या:

(A) ✓	❖ हिमालय का पश्चिमी भाग, पूर्वी भाग की तुलना में अधिक चौड़ा है, जिसकी चौड़ाई पश्चिम में लगभग 400 किमी तथा पूर्व में लगभग 150 किमी है। ❖ हिमालय के पूर्वी भाग में अधिक प्रबल विवर्तनिक अभिसरण (Tectonic Convergence) तथा हिमालयी चाप (Himalayan Arc) के मुड़ने के कारण पर्वतीय तंत्र एक संकरे पट्टे में संकुचित हो गया है।
(B) ✓	❖ हिमालय के पूर्व में अभिसारी सीमा पर दबाव बल अधिक होने के कारण पूर्वी हिमालय अधिक ऊँचा है। इसी वजह से 'माउंट एवरेस्ट' और 'कंचनजंगा' जैसी ऊँची चोटियाँ पूर्वी हिमालय में स्थित हैं।
(C) ✗	❖ पूर्वी हिमालय में मानसूनी वर्षा बहुत अधिक होती है, जिसके कारण वहाँ भारी हिमपात होता है और हिमरेखा अपेक्षाकृत कम ऊँचाई (लगभग 4200 मी.) पर स्थित होती है। इसके विपरीत, पश्चिमी हिमालय अपेक्षाकृत शुष्क है, इसलिए वहाँ स्थायी हिम केवल अधिक ऊँचाई (लगभग 5700 मी.) पर ही पाई जाती है।

2. हिमालय की भ्रंश रेखाओं को दक्षिण से उत्तर की ओर व्यवस्थित करें:

- (A) मेन बाउंड्री थ्रस्ट (MBT)
 (B) मेन सेंट्रल थ्रस्ट (MCT)
 (C) सिंधु-त्सांगपो सिवनी क्षेत्र (ITSZ)
 (D) हिमालयन फ्रंट फोल्ट (HFF)

विकल्प:

- (1) (A), (B), (C), (D)
 (2) (B), (C), (D), (A)
 (3) (D), (A), (B), (C)
 (4) (D), (B), (A), (C)
 (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर: (3)

व्याख्या:

❖ **दक्षिण से उत्तर की ओर सही क्रम :** हिमालयन फ्रंट फोल्ट (HFF) → मेन बाउंड्री थ्रस्ट (MBT) → मेन सेंट्रल थ्रस्ट (MCT) → सिंधु-त्सांगपो सिवनी क्षेत्र (ITSZ)

★ पृष्ठ संख्या 86 पर चित्र 1.1 देखें।

अतिरिक्त जानकारी

- ❖ **हिमालयीय अग्र भ्रंश/हिमालयन फ्रंट फोल्ट (HFF) या मुख्य अग्र प्रस्थ (MFT),** शिवालिक पर्वतमाला (बाहरी हिमालय) और सिंधु-गंगा के मैदान के बीच स्थित सबसे दक्षिणी भ्रंश है। इसे हिमालयी प्रक्षेप प्रणाली में सबसे सक्रिय भ्रंश माना जाता है।
- ❖ **मुख्य सीमा प्रस्थ/मेन बाउंड्री थ्रस्ट (MBT):** HFF/MFT के उत्तर में स्थित, यह भ्रंश शिवालिक पर्वतमाला को लघु हिमालय से अलग करता है।
- ❖ **मुख्य केंद्रीय प्रस्थ/मेन सेंट्रल थ्रस्ट (MCT):** और उत्तर में, यह प्रस्थ भ्रंश लघु हिमालय को वृहत्तर हिमालय से अलग करता है।
- ❖ **आईटीएसजेड/सिंधु-त्सांगपो सिवनी क्षेत्र (ITSZ)** लद्दाख क्षेत्र में एक सिवनी क्षेत्र है और भारतीय प्लेट की सीमा को चिह्नित करता है जहाँ यह यूरेशियन प्लेट से टकराती है और यूरेशियन प्लेट के नीचे धंस जाती है। ट्रांस हिमालय, वृहद हिमालय से **ITSZ** द्वारा अलग होता है।



(2) जलवायु

1. निम्नलिखित कथनों में से कितने **सही** हैं?

- (A) जुलाई के प्रथम सप्ताह में मानसूनी पवनें केरल, कर्नाटक, गोवा और महाराष्ट्र के तटीय क्षेत्रों तक पहुँचती हैं।
 (B) पश्चिमी घाट की पवन विपरीत ढालें (Leeward Slopes) भारी वर्षा प्राप्त करती हैं।
 (C) समुद्र से दूरी बढ़ने पर मानसूनी वर्षा कम हो जाती है। निम्न कूटों का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चुनाव कीजिये :
- (1) केवल एक
 (2) केवल दो
 (3) सभी सही हैं।
 (4) सभी गलत हैं।
 (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर: (1)

व्याख्या:

★ पृष्ठ संख्या 91 पर चित्र 1.10 देखें।

(A) X	जून के प्रथम सप्ताह में मानसूनी पवनें केरल, कर्नाटक, गोवा तथा महाराष्ट्र के तटीय क्षेत्रों में पहुँचती हैं। भारत में मानसूनी वर्षा मौसमी होती है, जो मुख्यतः जून से सितम्बर के बीच होती है। सबसे पहले मानसूनी पवनें केरल तट से टकराती हैं, जिसे ' मानसून का फटना (Burst of Monsoon) ' कहा जाता है। देश के आंतरिक भागों में मानसून जुलाई के प्रथम सप्ताह तक पहुँचता है।
(B) X	पश्चिमी घाट की पवनाभिमुख (Windward) ढालों पर अत्यधिक वर्षा होती है।
(C) ✓	समुद्र से दूरी बढ़ने के साथ मानसूनी वर्षा की मात्रा घटती जाती है। इसी कारण भारत में मानसूनी वर्षा के दौरान कोलकाता में लगभग 119 सेमी , पटना में 105 सेमी , इलाहाबाद में 76 सेमी तथा दिल्ली में 56 सेमी वर्षा होती है।

2. **कथन:** ग्रीष्म ऋतु की शुरुआत के साथ, पश्चिमी जेट स्ट्रीम हिमालय के उत्तर में प्रवाहित होने लगती है।

कारण: अंतर उष्णकटिबंधीय अभिसरण क्षेत्र (ITCZ) सूर्य की उत्तर दिशा में गति के साथ उत्तर की ओर बढ़ने लगता है।
 सही कूटों का चयन करें :

- (1) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
 (2) (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
 (3) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है।
 (4) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है।
 (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर: (1)

व्याख्या:

- ❖ ग्रीष्म ऋतु के आगमन के साथ सूर्य तथा अंतर - उष्णकटिबंधीय अभिसरण क्षेत्र (ITCZ) उत्तर की ओर खिसक जाते हैं। इसके प्रभाव से पश्चिमी जेट स्ट्रीम हिमालय के उत्तर में प्रवाहित होने लगती है।

अतिरिक्त जानकारी

- ❖ भारतीय मानसून मुख्यतः ग्रीष्म ऋतु के दौरान होने वाले वायुमंडलीय परिसंचरण में परिवर्तनों से संबंधित है।
 ❖ भारतीय उपमहाद्वीप में उच्च तापमान के कारण निम्न वायुदाब का विकास होता है।
 ❖ पश्चिमी जेट धारा के हिमालय के उत्तर की ओर खिसक जाने के बाद भारत में पूर्वी जेट धारा विकसित होती है। इसकी स्थिति ऋतु के अनुसार लगभग 15° से 30° उत्तरी अक्षांश के बीच परिवर्तित होती रहती है तथा इसे भारतीय मानसून के प्रादुर्भाव के लिए मुख्य रूप से उत्तरदायी माना जाता है।
 ❖ पूर्वी जेट धारा के प्रभाव से दक्षिणी हिंद महासागर में मेडागास्कर द्वीप के निकट उच्च वायुदाब का क्षेत्र विकसित होता है। इसी उच्च दाब केंद्र से दक्षिण-पश्चिम मानसून की उत्पत्ति होती है।

3. निम्नलिखित में से कौन- से कथन **सही** है?

- (A) एडमंड हेली के अनुसार, मानसून महाद्वीपीय स्थलखंडों और समीपवर्ती महासागरों के बीच असमान ऊष्मन एवं शीतन के परिणामस्वरूप उत्पन्न विशाल पैमाने की स्थल तथा समुद्री पवनें हैं।
 (B) ऊष्मीय/तापीय सिद्धांत के अनुसार, मानसून सूर्य की विभिन्न ऋतुओं में स्थिति परिवर्तन से उत्पन्न वैश्विक पवनों और दाब पट्टियों के ऋतुजन्य स्थानांतरण का परिणाम है।

**(3) प्रमुख नदियां एवं झीलें**

1. निम्नलिखित में से कौन सी सिंधु नदी की **दाहिनी सहायक नदियाँ** हैं?

- (A) सोहन
- (B) श्योक
- (C) स्वात
- (D) गुमल
- (E) गिलगित

निम्न कूटों का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चुनाव कीजिये:

- (1) केवल (A), (C), (D), (E)
- (2) केवल (A), (B), (C), (D)
- (3) केवल (B), (C), (D), (E)
- (4) केवल (A), (B), (D), (E)
- (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर: (3)

व्याख्या:

❖ सिंधु नदी की दाहिनी सहायक नदियाँ **श्योक, स्वात और गुमल, गिलगित** हैं, जबकि **सोहन** इसकी बाई सहायक नदियाँ है।

★ पृष्ठ संख्या 95 पर चित्र 1.16 देखें।

अतिरिक्त जानकारी
सिंधु नदी अपवाह तंत्र ❖ लंबाई - 2880 किमी (भारत में 1,114 किमी) ❖ जलग्रहण क्षेत्र - 11.65 लाख किमी और भारत में 3.21 लाख वर्ग किमी ❖ उद्गम - बोखर चू हिमनद (कैलाश पर्वत के उत्तरी ढाल) मानसरोवर झील के पास में। ❖ मुहाना - कराची के निकट अरब सागर ❖ अपवाह क्षेत्र- तिब्बत (चीन) → लद्दाख → पाकिस्तान। ❖ सहायक नदियां- दाएं ओर से किशनगंगा, श्योक, हुंजा, कुर्रम, तोची, शिगार, नुब्रा, गिलगित, स्वात, काबुल, गोमल और बांयी ओर से झेलम, चिनाब, रावी, व्यास, सतलज, जास्कर, द्रास, सुरू।

2. इन पंचमहानद को **दक्षिण से उत्तर** की ओर क्रमबद्ध कीजिए:

- (A) झेलम
- (B) चिनाब
- (C) रावी
- (D) व्यास
- (E) सतलुज

निम्न कूटों का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चुनाव कीजिये :

- (1) (D),(E),(C),(B),(A)
- (2) (C),(D),(E),(B),(A)
- (3) (C),(E),(D),(A),(B)
- (4) (E),(D),(C),(B),(A)
- (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर: (4)

व्याख्या:

दक्षिण से उत्तर की ओर सही क्रम: सतलुज → व्यास → रावी → चिनाब → झेलम।

अतिरिक्त जानकारी
पंचमहानद नदियाँ ❖ सिंधु नदी की बाई ओर की पाँच प्रमुख सहायक नदियाँ, जो उत्तर से दक्षिण की ओर बहती हैं और मिठानकोट (पाकिस्तान) के पास उसमें मिल जाती हैं। झेलम/वितस्ता ❖ चिनाब/अस्किनी ❖ रावी/परुष्णी/इरावती ❖ व्यास/बिपाशा/आर्गिकिया ❖ सतलुज/समुद्री/शतद्रु झेलम ❖ लंबाई - 724 किमी (भारत में 400 किमी) ❖ उद्गम - वेरीनाग (पीर पंजाल) के पास शेषनाग झील ❖ वुलर झील और श्रीनगर से होकर बहती है चिनाब ❖ सिंधु की सबसे बड़ी सहायक नदी (भारत में 1180 किमी) ❖ बारालाचा दर्रे (हिमाचल प्रदेश) के पास चंद्र + भागा के मिलने से बनी रावी ❖ लंबाई - भारत में 725 किमी ❖ उद्गम - रोहतांग दर्रे के पास बड़ाभंगल



(4) सिंचाई

1. सिंचाई के प्रमुख स्रोतों का, उनके योगदान का उच्च से निम्न क्रम के अनुसार, सही क्रम क्या है?

- (1) कुएँ एवं नलकूप > नहरें > तालाब
- (2) तालाब > नहरें > कुएँ एवं नलकूप
- (3) कुएँ एवं नलकूप > तालाब > नहरें
- (4) नहरें > तालाब > कुएँ एवं नलकूप
- (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर: (1)

व्याख्या:

सिंचाई के प्रमुख साधन	
सिंचाई का साधन	योगदान (%)
कुएँ एवं नलकूप	61.58%
नहरें	24.54%
तालाब	2.97%
अन्य	10.91%

2. निम्नलिखित में से कौन सा/से कथन गलत है/हैं?

- I. हीराकुंड बांध भारत का सबसे ऊँचा बांध है।
- II. नागार्जुन सागर सबसे बड़ी मानव निर्मित झील है।
- III. दामोदर घाटी भारत की सबसे बड़ी बहुउद्देशीय परियोजना है।

विकल्प:

- (1) केवल (I) और (III)
- (2) केवल (II) और (III)
- (3) केवल (I) और (II)
- (4) सभी गलत हैं
- (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर: (4)

व्याख्या:

(I) X	भारत का सबसे ऊँचा बांध टिहरी बांध (उत्तराखंड) है, जो भागीरथी नदी पर स्थित है, जबकि हीराकुंड बांध विश्व का सबसे लंबा मिट्टी का बांध है।
(II) X	सबसे बड़ी मानव निर्मित झील गोविंद बल्लभ पंत सागर (रिहंद परियोजना) है। नागार्जुन सागर कृष्णा नदी पर स्थित एक प्रमुख बहुउद्देशीय परियोजना है।

(III) X भारत की सबसे बड़ी बहुउद्देशीय परियोजना भाखड़ा-नांगल है। दामोदर घाटी भारत की पहली बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजना है।

परियोजना	राज्य/क्षेत्र	नदी	प्रमुख तथ्य
भाखड़ा-नांगल	पंजाब, हरियाणा, राजस्थान	सतलुज	भारत की प्रमुख एवं सबसे बड़ी बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजनाओं में से एक।
हीराकुंड	ओडिशा	महानदी	विश्व का सबसे लंबा मिट्टी का बाँध।
दामोदर घाटी	पश्चिम बंगाल, झारखंड	दामोदर	भारत की पहली बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजना।
टिहरी बाँध	उत्तराखंड	भागीरथी	भारत का सबसे ऊँचा बाँध।
चंबल परियोजना	मध्य प्रदेश, राजस्थान	चंबल	गांधी सागर, राणा प्रताप सागर एवं जवाहर सागर बाँध शामिल हैं।
नागार्जुन सागर	आंध्र प्रदेश, तेलंगाना	कृष्णा	बौद्ध विद्वान नागार्जुन के नाम पर।
रिहंद परियोजना	उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश सीमा	रिहंद	गोविंद बल्लभ पंत सागर भारत की प्रमुख मानव निर्मित झीलों में से एक है।
तुंगभद्रा	कर्नाटक, आंध्र प्रदेश	तुंगभद्रा	कृष्णा नदी की सहायक नदी पर स्थित संयुक्त परियोजना।
फरक्का	पश्चिम बंगाल	गंगा	कोलकाता बंदरगाह में गाद जमने की समस्या को कम करने के लिए निर्मित।
कोसी परियोजना	बिहार, नेपाल	कोसी	"बिहार का शोक" कही जाने वाली कोसी नदी की बाढ़ को नियंत्रित करने में सहायक।

**(5) कृषि : प्रमुख फसलें**

1. निम्नलिखित में से कौन-से कथन गेहूँ की भौगोलिक दशाओं के संबंध में सही हैं?
- (A) गेहूँ के लिए समशीतोष्ण जलवायु सर्वोत्तम मानी जाती है।
- (B) गेहूँ के लिए ठंडी जलवायु तथा 50-75 सेमी वार्षिक वर्षा आवश्यक है।
- (C) गेहूँ के लिए पाला रहित अवधि कम से कम 120 दिन आवश्यक है।
- (D) पकने/कटाई के समय तापमान 20-28°C उपयुक्त होता है।

नीचे दिए गए कूटों का प्रयोग करके सही उत्तर चुनिए:

- (1) केवल (A), (B), (D)
- (2) केवल (A), (B), (C)
- (3) केवल (B), (C), (D)
- (4) केवल (A), (C), (D)
- (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर: (1)

व्याख्या:

(C) X	गेहूँ के लिए पाला रहित अवधि कम से कम 100 दिन आवश्यक होती है, न कि 120 दिन।
-------	--

अतिरिक्त जानकारी

गेहूँ:

- ❖ यह ग्रेमिनी कुल का पौधा है।
- ❖ मोहनजोदड़ो की खुदाई में जो गेहूँ दाने मिले हैं इससे इतिहासकारों का मत है कि भारत ही गेहूँ का सम्भवतः आदि स्थान रहा है। ऋग्वेद की ऋचाओं में भी चावल, जौ, गेहूँ, मूंग का वर्णन मिलता है।
- ❖ यह भारत के कुल कृषि योग्य भूमि के धान के बाद दूसरी मुख्य फसल है।

भौगोलिक दशाएँ

- ❖ इसके लिए **समशीतोष्ण सर्वोत्तम** जलवायु है।
- ❖ **मिट्टी** - उपजाऊ दोमट मिट्टी, चिका प्रधान मिट्टी, महीन कांप मिट्टी (pH 5 - 7.5)
- ❖ **वर्षा** - ठंडी जलवायु व 50-75 सेमी वार्षिक वर्षा आवश्यक।
- ❖ **तापमान** - शीतोष्ण कटिबंधीय फसल; उत्पादन भारत में अक्टूबर-नवम्बर से मार्च के मध्य।
 - बोते समय: 10°C

➤ वृद्धि काल: 15°C

➤ पकने/कटाई: 20-28°C

➤ पाला रहित अवधि: कम से कम 100 दिन

- ❖ **धरातल** - समतल भूमि, जहाँ यांत्रिक कृषि व जल निकास संभव हो।
- ❖ **श्रम** - सस्ता श्रम आवश्यक, परन्तु तेजी से यंत्रीकरण बढ़ रहा है।
- ❖ **खाद** - कम्पोस्ट, जैविक व गोबर खाद के साथ रासायनिक उर्वरकों (NPK) का प्रयोग।

2. निम्नलिखित में से कौन-कौन सी गेहूँ की किस्में हैं?

- (A) लैरमा मेक्सिकन
- (B) चंबल 65
- (C) गंगा सुनहरी
- (D) RAJ 3765
- (E) कामिनी

नीचे दिए गए कूटों का प्रयोग करके सही उत्तर चुनिए:

- (1) केवल (A), (C), (D), (E)
- (2) केवल (A), (B), (D), (E)
- (3) केवल (A), (B), (C), (D)
- (4) केवल (B), (C), (D), (E)
- (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर: (3)

व्याख्या:

- ❖ **गेहूँ की किस्में** - कल्याण सोना, सोनालिका, राज-3077, अर्जुन, दुर्गापुर 65, चंबल 65, नबी MG, सारण चंपारण, सुनहरा, कोहिनूर, गंगा सुनहरी, सोना 227, हीरा, शेर, शरबती, मंगला, मालविका, लैरमा मेक्सिकन, लाल बहादुर, RAJ 3765, RJ 3077, RAJ 1482, 4000 सीरीज, HD 3226
- ❖ **कामिनी धान (Rice) की किस्म** है।

3. वर्ष 2023-24 में उच्च से निम्न उत्पादन की स्थिति के संदर्भ में गेहूँ उत्पादक राज्यों का सही क्रम क्या है?

- (1) उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा
- (2) मध्य प्रदेश, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा
- (3) उत्तर प्रदेश, पंजाब, मध्य प्रदेश, हरियाणा
- (4) उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, पंजाब
- (5) अनुत्तरित प्रश्न

**(6) खनिज: धात्विक और अधात्विक**

1. निम्नलिखित में से कौन सा भारत में हेमेटाइट अयस्क भंडारों का **अवरोही क्रम** में सही क्रम है?

- (1) ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़, कर्नाटक
- (2) ओडिशा, छत्तीसगढ़, झारखंड, कर्नाटक
- (3) छत्तीसगढ़, ओडिशा, झारखंड, कर्नाटक
- (4) ओडिशा, कर्नाटक, झारखंड, छत्तीसगढ़
- (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर: (1)

व्याख्या:

❖ हेमेटाइट के मुख्य भंडार/संसाधन इन राज्यों में हैं:

- ओडिशा (39%),
- झारखंड (20%),
- छत्तीसगढ़ (19%),
- कर्नाटक (12%)
- गोवा (5%)

अतिरिक्त जानकारी

❖ लगभग 79% हेमेटाइट अयस्क भंडार पूर्वी क्षेत्र (असम, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा और उत्तर प्रदेश) में पाए जाते हैं।

2. निम्नलिखित में से कौन सा भारत में मैग्नेटाइट अयस्क भंडारों का **अवरोही क्रम** में सही क्रम है?

- (1) आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, राजस्थान, तमिलनाडु
- (2) कर्नाटक, तमिलनाडु, राजस्थान, आंध्र प्रदेश
- (3) आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, राजस्थान
- (4) कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु
- (5) प्रश्न हल नहीं किया गया

उत्तर: (4)

व्याख्या:

❖ भारत का 96.70% मैग्नेटाइट भंडार/संसाधन पांच राज्यों में है, जो इस प्रकार हैं:

- कर्नाटक (69.50%),
- आंध्र प्रदेश (13.10%),
- राजस्थान (7.10%),
- तमिलनाडु (4.70%),
- गोवा (2.30%)।

❖ असम, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, केरल, महाराष्ट्र, मेघालय, नागालैंड, ओडिशा और तेलंगाना में बाकी

3.30% संसाधन हैं।

अतिरिक्त जानकारी

- ❖ 93% मैग्नेटाइट अयस्क भंडार दक्षिणी क्षेत्र (आंध्र प्रदेश, गोवा, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु) में पाए जाते हैं।
- ❖ कर्नाटक अकेले भारत में मैग्नेटाइट भंडार का 72% हिस्सा देता है।

3. निम्नलिखित में से कौन सा भारत में मैंगनीज भंडारों का **अवरोही क्रम** में सही क्रम है?

- (1) ओडिशा, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र
- (2) कर्नाटक, ओडिशा, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश
- (3) कर्नाटक, महाराष्ट्र, ओडिशा, मध्य प्रदेश
- (4) ओडिशा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र
- (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर: (4)

व्याख्या:

❖ भारत में मैंगनीज भंडारों का राज्यवार वितरण:

- ओडिशा (34%),
- कर्नाटक (24%),
- मध्य प्रदेश (12%),
- महाराष्ट्र (12%),
- गोवा (7%),
- आंध्र प्रदेश (6%),
- झारखंड (3%).
- राजस्थान, गुजरात, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल में बाकी 2% संसाधन हैं।

अतिरिक्त जानकारी

- ❖ मैंगनीज का रंग चांदी जैसा ग्रे होता है और यह बहुत कठोर और भंगुर होता है।
- ❖ भारत में मैंगनीज अयस्क के भंडार मुख्य रूप से
 - मध्य प्रदेश (बालाघाट, छिंदवाड़ा और झाबुआ जिले),
 - महाराष्ट्र (भंडारा और नागपुर जिले),
 - गुजरात (पंचमहल जिला), ओडिशा (सुंदरगढ़ जिला),
 - ओडिशा (गंजम, कोरापुट जिले) की कोदुराइट श्रृंखला (आर्कियन) और
 - आंध्र प्रदेश (श्रीकाकुलम, विशाखापत्तनम जिले) की गोंडाइट श्रृंखला (आर्कियन) में रूपांतरित परतदार अवसादी चट्टानों के रूप में पाए जाते हैं।

**(7) प्रमुख औद्योगिक प्रदेश तथा प्रमुख उद्योग**

1. सूची-1 को सूची-II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए:

सूची I (उद्योग)

- (A) कपास वस्त्र
(B) जूट वस्त्र
(C) अंतरिक्ष और रक्षा उपकरण
(D) हीरे की कटाई और पॉलिशिंग

सूची II (औद्योगिक क्षेत्र)

- (a) कोलकाता-हुगली
(b) मुंबई-पुणे
(c) अहमदाबाद-वडोदरा
(d) बेंगलूर-तमिलनाडु

(A) (B) (C) (D)

(1) (b) (a) (d) (c)

(2) (b) (d) (c) (a)

(3) (a) (b) (c) (d)

(4) (c) (b) (a) (d)

(5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर: (1)**व्याख्या:**

उद्योग	औद्योगिक क्षेत्र
कपास वस्त्र उद्योग	मुंबई-पुणे
जूट वस्त्र उद्योग	कोलकाता-हुगली
अंतरिक्ष एवं रक्षा उपकरण उद्योग	बेंगलूर-तमिलनाडु
हीरा कटाई एवं पॉलिश उद्योग	अहमदाबाद-वडोदरा

अतिरिक्त जानकारी**मुंबई-पुणे औद्योगिक क्षेत्र (महाराष्ट्र)**

- ❖ **औद्योगिक नगर:** अंबरनाथ, अंधेरी, भांडुप, घाटकोपर, हड़पसर, जोगेश्वरी, कल्याण, खड़की, कोल्हापुर, कुर्ला, नासिक, सोलापुर, ठाणे, ट्रॉम्बे, उल्हासनगर और विक्रोली।
- ❖ **विकास के कारक:** मुंबई का प्राकृतिक बंदरगाह, कपास उत्पादक पृष्ठप्रदेश, पश्चिमी घाट से प्राप्त जलविद्युत, कुशल श्रमिक तथा उद्यमी समुदाय।
- ❖ **प्रमुख उद्योग:** वस्त्र एवं परिधान, ऑटोमोबाइल एवं अभियांत्रिकी, पेट्रोरसायन एवं रसायन, औषधि एवं जैव-प्रौद्योगिकी, सूचना प्रौद्योगिकी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स।
- ❖ **प्रमुख कंपनियाँ:** बॉम्बे डाइंग, सेंचुरी टेक्सटाइल्स, रेमंड, टाटा मोटर्स (पुणे), बजाज ऑटो (पुणे), महिंद्रा एंड महिंद्रा (नासिक), मर्सिडीज-बेंज एवं फॉक्सवैगन (पुणे), रिलायंस

(नवी मुंबई), भारत पेट्रोलियम एवं हिंदुस्तान पेट्रोलियम रिफाइनरियाँ, सिप्ला, सन फार्मा, ल्यूपिन, इन्फोसिस (पुणे), विप्रो (पुणे)।

कोलकाता-हुगली औद्योगिक क्षेत्र (पश्चिम बंगाल)

- ❖ **औद्योगिक नगर:** कोलकाता, हावड़ा, आसनसोल, दुर्गापुर, हल्दिया, खड़गपुर, बर्नपुर, बाली, नैहाटी, भाटपाड़ा, श्यामनगर, कृष्णानगर, श्रीरामपुर, टीटागढ़, रिशड़ा, हावड़ा और बजबज।
- ❖ **विकास के कारक:** कोलकाता बंदरगाह, रानीगंज-झरिया कोयला क्षेत्र, जूट की खेती, सस्ता श्रम, नदी एवं रेल परिवहन नेटवर्क।
- ❖ **प्रमुख उद्योग:** जूट एवं वस्त्र उद्योग, लौह एवं इस्पात, अभियांत्रिकी, पेट्रोरसायन एवं रसायन, कागज, उर्वरक, मुद्रण तथा खाद्य प्रसंस्करण।
- ❖ **प्रमुख कंपनियाँ:** बजबज जूट मिल्स, हुगली जूट मिल्स, दुर्गापुर इस्पात संयंत्र, आईआईएससीओ इस्पात संयंत्र (बर्नपुर), हल्दिया पेट्रोरसायन, हिंदुस्तान उर्वरक निगम, कोलाघाट ताप विद्युत स्टेशन, टीटागढ़ पेपर मिल्स तथा इमामी पेपर।

बेंगलूर-तमिलनाडु औद्योगिक क्षेत्र (कर्नाटक एवं तमिलनाडु)

- ❖ **औद्योगिक नगर:** बेंगलूर, मैसूर, चेन्नई, कोयंबटूर, सलेम, तिरुप्पुर, मदुरै और होसूर।
- ❖ **विकास के कारक:** जलविद्युत परियोजनाएँ (मेट्टूर, पापनासम, पायकारा, सावित्री और शिवसमुद्रम), कपास एवं रेशम, कुशल मानव संसाधन, सूचना प्रौद्योगिकी क्रांति, अनुसंधान एवं विकास केंद्र तथा चेन्नई, कोच्चि, मंगलूर और तूतीकोरिन बंदरगाहों की निकटता।
- ❖ **प्रमुख उद्योग:** सूचना प्रौद्योगिकी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल एवं अभियांत्रिकी, रक्षा एवं अंतरिक्ष, वस्त्र उद्योग (कपास एवं रेशम), परिधान उद्योग, औषधि एवं जैव-प्रौद्योगिकी।
- ❖ **प्रमुख कंपनियाँ:** इन्फोसिस, विप्रो, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचसीएल, एक्सेंचर, हुंडई, फोर्ड, रेनो-निसान, अशोक लेलैंड, टीवीएस मोटर्स, रॉयल एनफील्ड, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, लक्ष्मी मिल्स, बायोकॉन तथा डॉ. रेड्डीज़।

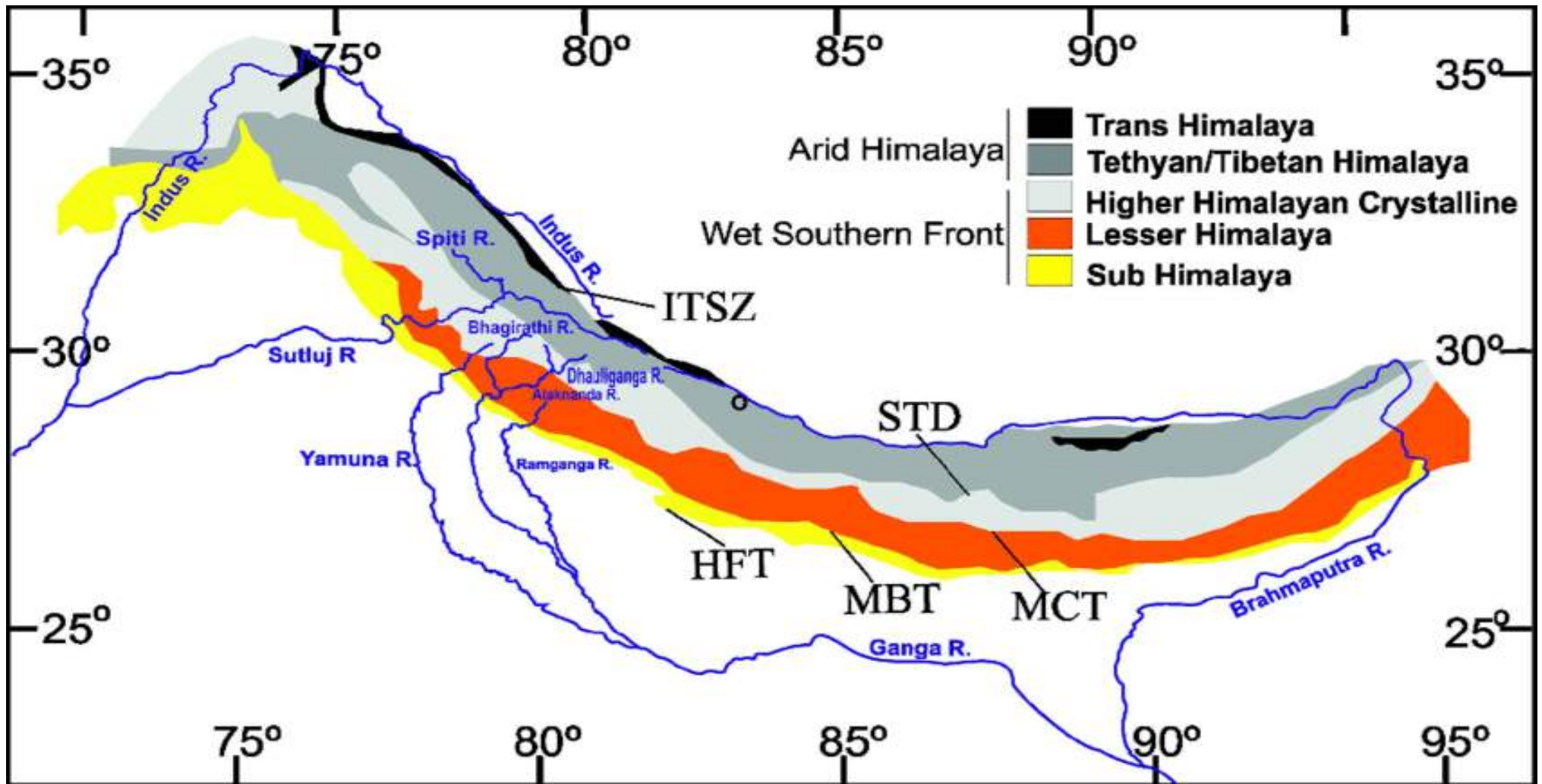
अहमदाबाद-वडोदरा औद्योगिक क्षेत्र (गुजरात)

- ❖ **औद्योगिक नगर:** अहमदाबाद, वडोदरा, सूरत, राजकोट,

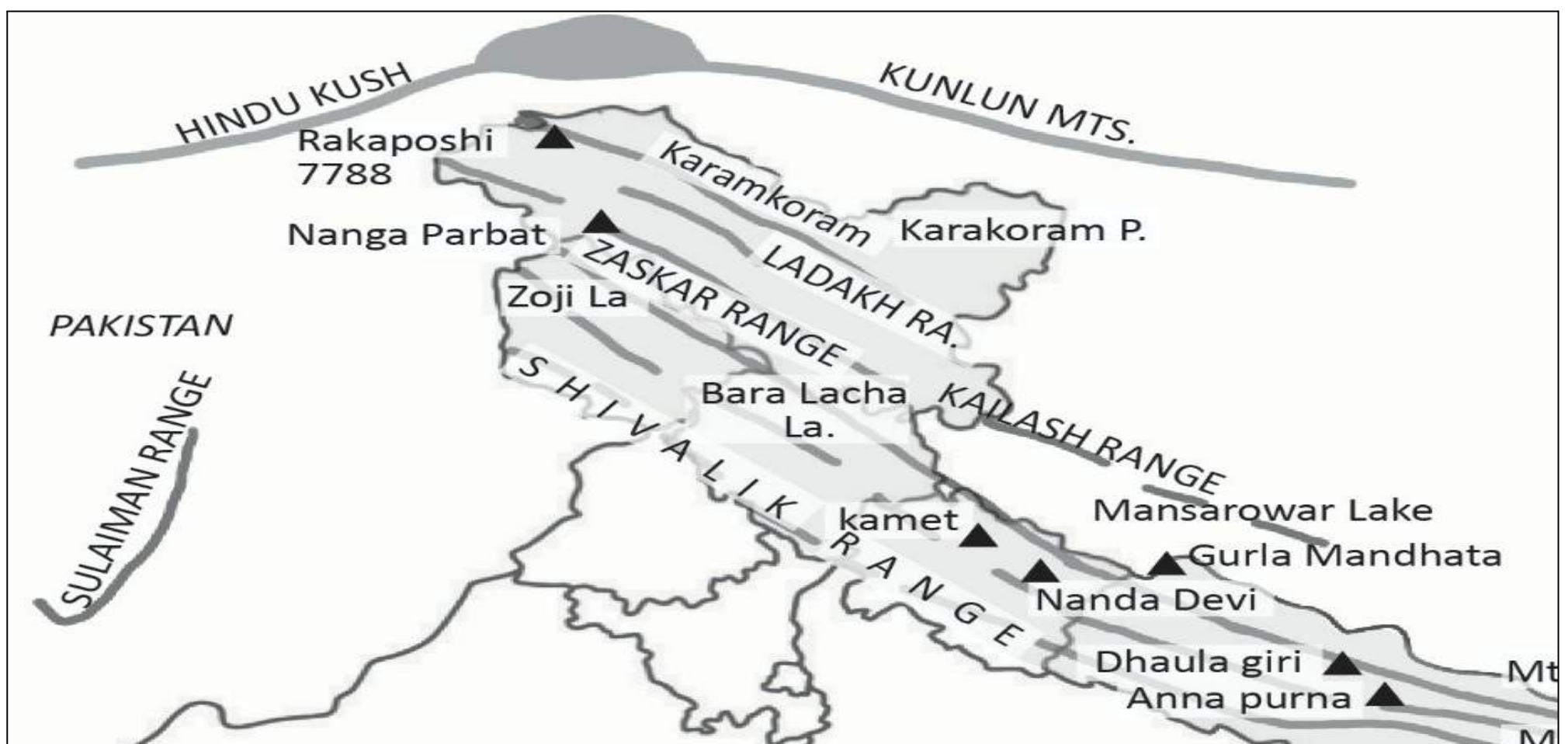


(8) भारत के भूगोल से संबंधित मानचित्र

मानचित्र 1.1



मानचित्र 1.2





(1) भौतिक स्वरूप:- पर्वत, पठार, मैदान एवं मरूस्थल

1. उत्तरी अमेरिका की निम्नलिखित पर्वत श्रृंखलाओं को **उत्तर से दक्षिण** की ओर व्यवस्थित कीजिए

- (A) कुस्कोक्विम पर्वत
(B) मैकेंज़ी पर्वत
(C) ब्लू पर्वत
(D) अलेघनी पर्वत

नीचे दिए गए कूटों का प्रयोग करके सही उत्तर चुनिए:

- (1) (A), (B), (C), (D)
(2) (B), (A), (C), (D)
(3) (C), (A), (B), (D)
(4) (D), (A), (B), (C)
(5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर: (1)

व्याख्या:

उत्तर से दक्षिण का सही क्रम इस प्रकार है:

- ❖ कुस्कोक्विम पर्वत - USA (अलास्का)
- ❖ मैकेंज़ी पर्वत - कनाडा (युकोन और उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र)
- ❖ ब्लू पर्वत - संयुक्त राज्य अमेरिका (ओरेगन) → उठे हुए ब्लॉक पर्वत, कोलंबिया पठार सीमा का भाग
- ❖ अलेघनी पर्वत - पूर्वी संयुक्त राज्य अमेरिका, एपलाचियन पर्वत की एक उप-श्रेणी

★ पृष्ठ संख्या पर 173 दिए गए मानचित्र 2.1 को देखें।

पर्वत श्रृंखला/शिखर	देश	विशेषताएँ
ब्रूक्स पर्वतमाला	संयुक्त राज्य अमेरिका (अलास्का)	❖ अलास्का की सबसे उत्तरी पर्वत श्रृंखला ❖ सबसे ऊँची चोटी: माउंट इस्तो
अलास्का पर्वतमाला	संयुक्त राज्य अमेरिका (अलास्का)	❖ सबसे ऊँची चोटी: डेनाली (माउंट मैकिन्ले) - 6,190 मीटर ❖ उत्तरी अमेरिका की सबसे ऊँची चोटी
टॉर्नगेट पर्वतमाला	कनाडा (लैब्राडोर)	❖ प्राचीन प्रीकैम्ब्रियन पर्वत ❖ खड़ी फिओर्डेड भूमि ❖ कैनेडियन शील्ड का हिस्सा ❖ सबसे ऊँची चोटी: माउंट काबविक
नोट्रे डेम पर्वतमाला	कनाडा (क्यूबेक)	❖ पूर्वी कनाडा में अप्पलाचियन पर्वत प्रणाली का विस्तार।

माउंट गनब्योर्न	ग्रीनलैंड (डेनमार्क)	❖ ग्रीनलैंड की सबसे ऊँची चोटी
तटीय पर्वतमाला / तटीय पर्वत	कनाडा (ब्रिटिश कोलंबिया)	❖ प्रशांत तट के किनारे हिमाच्छादित पर्वत ❖ अवसादन द्वारा निर्मित ❖ इसमें माउंट वाडिंगटन भी शामिल है
कैस्केड पर्वतमाला	संयुक्त राज्य अमेरिका (वाशिंगटन, ओरेगन और कैलिफोर्निया)	❖ प्रशांत महासागर के अग्नि वलय का हिस्सा बनने वाली ज्वालामुखी श्रृंखला ❖ सक्रिय ज्वालामुखियों के लिए जाना जाता है ❖ प्रमुख चोटियाँ: माउंट रेनियर, माउंट सेंट हेलेन्स, माउंट हूड
सिएरा नेवादा पर्वत	संयुक्त राज्य अमेरिका (कैलिफोर्निया, नवादा)	❖ हिमाच्छादित चोटियों और बड़ी झीलों वाली खड़ी भ्रंश-खंड श्रृंखला। ❖ सबसे ऊँची चोटी: माउंट व्हिटनी - महाद्वीपीय संयुक्त राज्य अमेरिका की सबसे ऊँची चोटी।
रॉकी पर्वत	कनाडा और संयुक्त राज्य अमेरिका	❖ सबसे ऊँची चोटी: माउंट एल्वर्ट (अमेरिका)
अब्सारोका पर्वत	संयुक्त राज्य अमेरिका (मोंटाना, व्योमिंग)	❖ ज्वालामुखी उद्गम ❖ येलोस्टोन राष्ट्रीय उद्यान के निकट।
वाशेच पर्वत	संयुक्त राज्य अमेरिका (यूटा)	❖ भ्रंश-ब्लॉक पर्वत ❖ रॉकी पर्वत श्रृंखला का पश्चिमी किनारा
चुस्का पर्वत	संयुक्त राज्य अमेरिका (एरिज़ोना - न्यू मैक्सिको)	❖ ज्वालामुखीय उच्चभूमि जो कोलोराडो पठार का हिस्सा है।
सैक्रामेंटो पर्वत	संयुक्त राज्य अमेरिका (न्यू मैक्सिको)	❖ वनाच्छादित चूना पत्थर पर्वत ❖ दक्षिणी रॉकीज़ का एक भाग।
सिएरा माद्रे ऑक्सिडेंटल	मेक्सिको	❖ सबसे ऊँची चोटी: सेरो मोहिनोरा



(2) प्रमुख नदियाँ एवं झीलें

1. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए

सूची I (नदी)

- (A) युकोन
(B) मैकेंज़ी
(C) मिसौरी
(D) कोलोराडो

सूची II (जल निकासी)

- (a). बेरिंग सागर
(b). ब्यूफोर्ट सागर
(c). मेक्सिको की खाड़ी
(d). कैलिफोर्निया की खाड़ी

नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर चुनिए:

(A) (B) (C) (D)

- (1) (a) (b) (c) (d)
(2) (b) (a) (d) (c)
(3) (d) (b) (c) (a)
(4) (c) (b) (a) (d)
(5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर: (1)

व्याख्या:

नदी	जल निकासी
युकोन	बेरिंग सागर
मैकेंज़ी	ब्यूफोर्ट सागर
मिसौरी	मेक्सिको की खाड़ी
कोलोराडो	कैलिफोर्निया की खाड़ी

★ पृष्ठ संख्या 179 पर दिए गए मानचित्र 2.7 को देखें।

नदी	उद्गम एवं जल निकास	महत्वपूर्ण विशेषताएँ
मैकेंज़ी नदी	उद्गम: ग्रेट स्लेव झील, उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र (कनाडा) निकास: आर्कटिक महासागर (ब्यूफोर्ट सागर)	❖ कनाडा की सबसे लंबी नदी प्रणाली; ग्रेट स्लेव झील को अपवाहित करती है
पीस नदी	उद्गम: रॉकी पर्वतमाला, ब्रिटिश कोलंबिया निकास: मैकेंज़ी नदी → आर्कटिक महासागर	❖ अल्बर्टा व ब्रिटिश कोलंबिया से होकर बहती है; प्रमुख जलविद्युत स्रोत (डब्ल्यू. ए. सी. बेनेट बाँध)

यूकॉन नदी	उद्गम: ल्यूलिन हिमनद, ब्रिटिश कोलंबिया निकास: बेयरिंग सागर (प्रशांत महासागर)	❖ अलास्का व यूकॉन क्षेत्र से होकर बहती है
नेल्सन नदी	उद्गम: लेक विन्निपेग, मैनिटोबा निकास: हडसन की खाड़ी	❖ लेक विन्निपेग का प्रमुख निकास
चर्चिल नदी	उद्गम: स्मॉलवुड जलाशय, लैब्राडोर निकास: हडसन की खाड़ी	❖ लैब्राडोर क्षेत्र की प्रमुख नदी
अल्बानी नदी	उद्गम: लेक सेंट जोसेफ, ओंटारियो निकास: हडसन की खाड़ी	❖ उत्तरी ओंटारियो की प्रमुख नदी
सेंट लॉरेंस नदी	उद्गम: लेक ओंटारियो (कनाडा-अमेरिका सीमा) निकास: अटलांटिक महासागर	❖ ग्रेट लेक्स को अटलांटिक महासागर से जोड़ती है; सेंट लॉरेंस जलमार्ग के कारण महत्वपूर्ण नौपरिवहन मार्ग
ओटावा नदी	उद्गम: लॉरेंशियन पर्वतमाला, क्यूबेक निकास: सेंट लॉरेंस नदी → अटलांटिक महासागर	❖ ओंटारियो व क्यूबेक के बीच प्राकृतिक सीमा
मिसौरी नदी	उद्गम: रॉकी पर्वतमाला, मोंटाना निकास: मिसिसिपी नदी → मेक्सिको की खाड़ी	❖ मिसिसिपी की सबसे लंबी सहायक नदी; ग्रेट प्लेन्स से होकर बहती है
प्लैट नदी	उद्गम: रॉकी पर्वतमाला, कोलोराडो निकास: मिसौरी → मिसिसिपी → मेक्सिको की खाड़ी	❖ मिसौरी नदी की महत्वपूर्ण सहायक



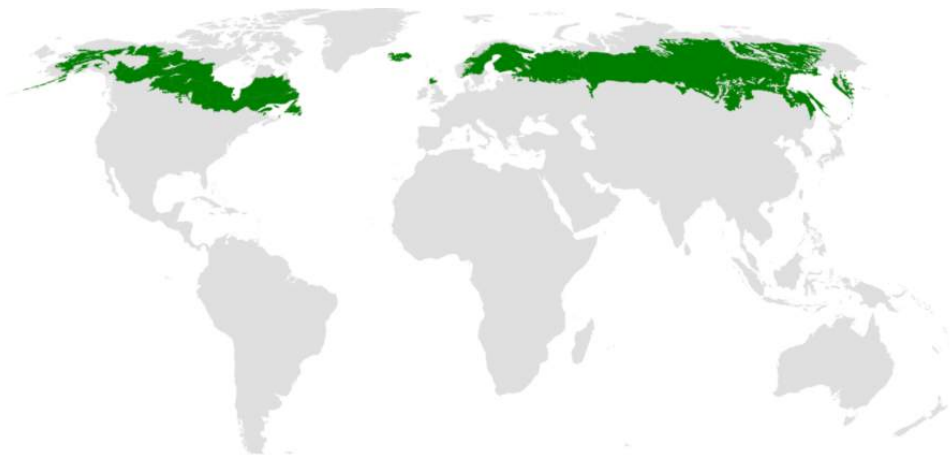
(3) प्राकृतिक वनस्पति

1. शंकुधारी वन (टैगा / बोरियल वन) सामान्यतः किन अक्षांशों के बीच पाए जाते हैं?

- (1) 50° से 60° उत्तरी एवं दक्षिणी अक्षांशों के बीच
- (2) 50° से 60° दक्षिणी अक्षांशों के बीच
- (3) 50° से 60° उत्तर अक्षांशों के बीच
- (4) 40° से 50° उत्तरी एवं दक्षिणी अक्षांशों के बीच
- (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर: (3)

व्याख्या:



शंकुधारी वन (टैगा / बोरियल वन) — समशीतोष्ण वनस्पति

स्थिति	50° से 60° उत्तर अक्षांशों के बीच पाए जाते हैं।
वैश्विक वितरण	- ये वन मुख्यतः उत्तरी गोलार्ध के आठ देशों—कनाडा, चीन, फ़िनलैंड, जापान, नॉर्वे, रूस, स्वीडन तथा संयुक्त राज्य अमेरिका—में विस्तृत हैं। - यह विश्व का सबसे बड़ा स्थलीय बायोम है, जो विश्व के कुल वन क्षेत्र का लगभग 30% तथा पृथ्वी की कुल स्थलीय सतह का लगभग 10% भाग घेरता है।
भौगोलिक परिस्थितियाँ	- ठंडी जलवायु और लंबे शीतकाल का वनस्पति पर गहरा प्रभाव पड़ता है। - विशेष रूप से शीत ऋतु में, यहाँ सूर्य के प्रकाश की आपूर्ति बहुत कम या अपर्याप्त होती है। - मृदा: मध्यम उपजाऊ मृदा, जिसमें नमी की उपलब्धता होती है। - तापमान: अत्यंत ठंडी शीत ऋतुएँ, जिनमें औसत तापमान 43°F (लगभग 6°C) से कम रहता है। - वनस्पति का स्वरूप: यहाँ मुख्य रूप से सदाबहार कोमल लकड़ी वाले वनों की प्रधानता होती है।

- वृक्ष ऊँचे, सीधे, कोमल लकड़ी वाले सदाबहार प्रजाति के होते हैं।
- वृक्ष प्रायः 30 मीटर (100 फीट) से अधिक ऊँचे होते हैं।
- शंकुवाकार (कोनिकल) वृक्ष, जो बर्फ को आसानी से गिराने के अनुकूल होते हैं।
- छोटी, संकरी, सुईनुमा पत्तियाँ, जो वाष्पोत्सर्जन को कम करती हैं।
- उथली जड़ें, जो ऊपरी मिट्टी से जल और पोषक तत्वों को अवशोषित करती हैं।
- वनस्पति कठोर शीतकालीन परिस्थितियों के लिए अत्यधिक अनुकूलित होती है।
- प्रमुख वृक्ष प्रजातियाँ: चीड़ (पाइन), फर, सीडर

2. हाथी घास मुख्य रूप से यहाँ पाई जाती है:-

- (1) सवाना आर्द्र घास का मैदान
- (2) सवाना (उष्णकटिबंधीय शुष्क) घास का मैदान
- (3) टुंड्रा घास का मैदान
- (4) शीतोष्ण घास का मैदान
- (5) अनुत्तरित प्रश्न

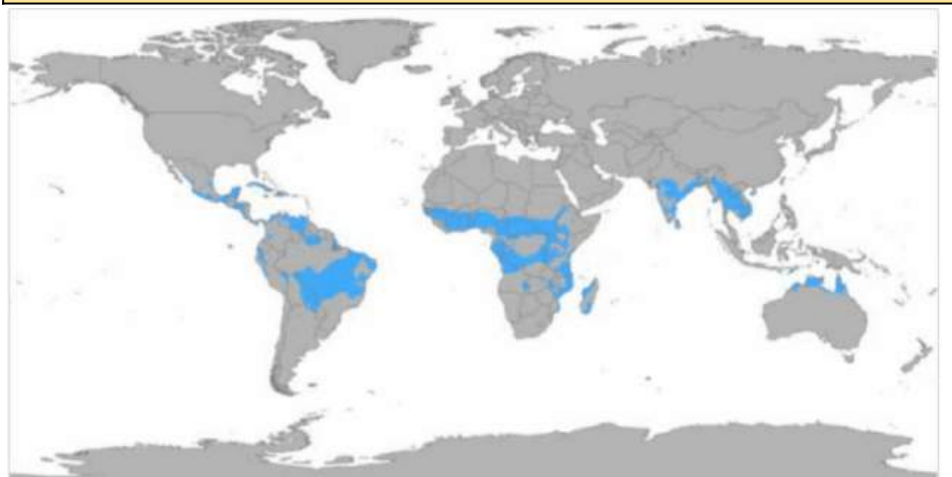
उत्तर: (1)

व्याख्या:

- ❖ हाथी घास एक लंबी उष्णकटिबंधीय घास है जो आमतौर पर सवाना (उष्णकटिबंधीय शुष्क) के मैदानों में पाई जाती है, जहाँ बारिश अपेक्षाकृत ज़्यादा होती है।
- ❖ यह 3-5 मीटर या उससे भी अधिक ऊँची हो सकती है और हाथियों तथा अन्य बड़े शाकाहारी जानवरों के लिए भोजन का एक महत्वपूर्ण स्रोत है।

अतिरिक्त जानकारी

उष्णकटिबंधीय घास के मैदान/सवाना आर्द्र घास के मैदान



सवाना आर्द्र घास के मैदान



(4) कृषि : प्रकार, वितरण तथा प्रमुख फसलें

1. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए-

सूची I (स्थानांतरित कृषि)

सूची II (देश)

- | | |
|-------------|----------------|
| (A) लदांग | (i) इंडोनेशिया |
| (B) तुंग्या | (ii) म्यांमार |
| (C) चेन्ना | (iii) श्रीलंका |
| (D) रे | (iv) वियतनाम |

कूट :

- (A) (B) (C) (D)
 (1) (i) (ii) (iii) (iv)
 (2) (ii) (i) (iii) (iv)
 (3) (iii) (ii) (i) (iv)
 (4) (iv) (iii) (ii) (i)
 (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर: (1)

व्याख्या:

स्थानांतरित कृषि	देश
लदांग	इंडोनेशिया और मलेशिया
तुंग्या	म्यांमार (बर्मा)
चेन्ना	श्रीलंका
रे	वियतनाम

अतिरिक्त जानकारी

- ❖ कृषि का सबसे प्राचीन रूप, जो मुख्यतः उष्णकटिबंधीय वनों में की जाती है।
- ❖ वनों को काटकर और जलाकर भूमि साफ की जाती है तथा कुछ वर्षों तक खेती की जाती है।
- ❖ भूमि की उर्वरता कम होने पर दूसरी जगह जाकर यही प्रक्रिया दोहराई जाती है, इसलिए इसे काटो और जलाओ (Slash and Burn) कृषि या बुश फेलो कृषि कहा जाता है।
- ❖ विभिन्न क्षेत्रों में इसके अलग-अलग नाम हैं:
 - झूम - भारत के पूर्वी राज्य
 - मिल्पा - मध्य अमेरिका एवं मैक्सिको
 - लदांग - मलेशिया व इंडोनेशिया
 - रे - वियतनाम
- ❖ यह कृषि अमेजन बेसिन, कांगो बेसिन तथा पूर्वी द्वीप समूह में भी प्रचलित है।

- ❖ प्रमुख फसलें: धान, मक्का, ज्वार, बाजरा, दालें तथा तिलहन।

विश्व के विभिन्न भागों में स्थानांतरित कृषि के नाम

नाम	क्षेत्र	नाम	क्षेत्र
लदांग	इंडोनेशिया एवं मलेशिया	मिल्पा	मध्य अमेरिका एवं मैक्सिको
रोका	ब्राजील	कोनुको	वेनेजुएला
झूम	उत्तर-पूर्वी भारत	टावी	मेडागास्कर
केंगिन	फिलीपींस	मसोले	जायरे एवं मध्य अफ्रीका
हुमा	जावा एवं इंडोनेशिया	तुंग्या	म्यांमार (बर्मा)
चेन्ना	श्रीलंका	लोगन	पश्चिमी अफ्रीका
रे	वियतनाम		

2. निम्नलिखित में से कौन सी कृषि स्टेपीज़ और प्रेयरीज में की जाती है?

- (1) बागान कृषि
 (2) विस्तृत वाणिज्यिक अनाज कृषि
 (3) डेयरी कृषि
 (4) भूमध्यसागरीय कृषि
 (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर: (2)

व्याख्या:

विस्तृत वाणिज्यिक अनाज कृषि :-

- ❖ मुख्यतः शीतोष्ण कटिबंधीय घास के मैदानों में की जाती है।
- ❖ प्रमुख क्षेत्र - यूरेशिया के स्टेपीज, उत्तरी अमेरिका के प्रेयरीज, अर्जेंटीना के पम्पास, दक्षिणी अफ्रीका के वेल्डस, ऑस्ट्रेलिया के डाउन्स तथा न्यूजीलैंड के कैंटरबरी मैदान।
- ❖ इसका विकास विस्तृत निर्वाहन कृषि से होकर वाणिज्यिक कृषि के रूप में हुआ।

**(5) प्रमुख औद्योगिक प्रदेश तथा प्रमुख उद्योग**

1. सूची - I को सूची - II से सुमेलित कीजिए

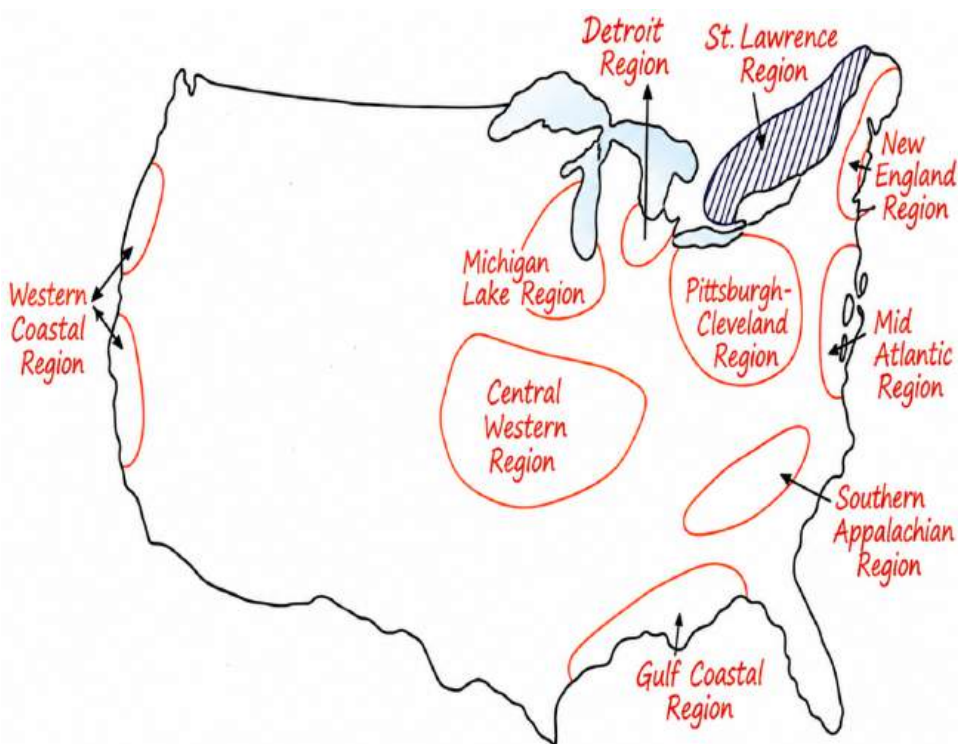
सूची - I (औद्योगिक क्षेत्र)**सूची - II (उद्योग)**

- | | |
|---------------------------|--------------------|
| (A) दक्षिणी न्यू इंग्लैंड | I. ऑटोमोबाइल |
| (B) मध्य-अटलांटिक प्रदेश | II. लौह एवं इस्पात |
| (C) पिट्सबर्ग-लेक ईरी | III. जहाज निर्माण |
| (D) डेट्रॉइट | IV. वस्त्र |

नीचे दिए गए कूटों का प्रयोग करके सही उत्तर चुनिए:

(A) (B) (C) (D)

- (1) (IV) (III) (II) (I)
 (2) (III) (II) (IV) (I)
 (3) (II) (III) (I) (IV)
 (4) (I) (II) (III) (IV)
 (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर: (1)**व्याख्या:****USA: Industrial Regions**

औद्योगिक प्रदेश	उद्योग	अन्य तथ्य
दक्षिणी न्यू इंग्लैंड	वस्त्र	प्रमुख केन्द्र / प्रमुख नगर ❖ पूर्वी न्यू इंग्लैंड: बोस्टन, प्रोविडेंस, फॉल रिवर, न्यू बेडफोर्ड, लारेंस, लोवेल ❖ पश्चिमी न्यू इंग्लैंड: स्प्रिंगफील्ड, हार्टफोर्ड, न्यू हेवेन, न्यू ब्रिस्टल मुख्य विशेषताएँ / उद्योग ❖ USA का सबसे पुराना औद्योगिक क्षेत्र

		❖ प्रारंभ में सूती वस्त्र: बाद में ऊनी वस्त्र, चमड़ा, मशीन, औजार, धातु उद्योग ❖ पश्चिमी भाग: धातु आधारित उद्योग (विशेषकर तांबे के उत्पाद) ❖ आधार: आप्रवासी, जल-विद्युत, वन संसाधन
मध्य-अटलांटिक प्रदेश	जहाज निर्माण	प्रमुख केन्द्र / प्रमुख नगर ❖ न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी (न्यूक, ट्रेटन), पेनसिल्वेनिया (फिलाडेल्फिया), डेलावेयर, बाल्टीमोर, रिचमंड मुख्य विशेषताएँ / उद्योग ❖ घनी जनसंख्या, कुशल श्रमिक, उत्कृष्ट बंदरगाह ❖ न्यूयॉर्क-न्यू जर्सी: USA का 50% पोशाक उत्पादन ❖ मैनहट्टन: हल्के उद्योग ❖ फिलाडेल्फिया: USA का दूसरा बड़ा बंदरगाह ❖ बाल्टीमोर: विविध उद्योग ❖ रिचमंड: तम्बाकू उद्योग
पिट्सबर्ग-लेक ईरी	लौह एवं इस्पात	प्रमुख केन्द्र / प्रमुख नगर ❖ पिट्सबर्ग, यंगसटाउन, क्लीवलैंड, ऐक्रॉन मुख्य विशेषताएँ / उद्योग ❖ उच्च गुणवत्ता वाला कोयला ❖ उत्कृष्ट रेल व नदी परिवहन ❖ क्लीवलैंड: विद्युत उपकरण, मशीन औजार ❖ ऐक्रॉन: रबड़ उद्योग
डेट्रॉइट	ऑटोमोबाइल	प्रमुख केन्द्र / प्रमुख नगर ❖ डेट्रॉइट, टोलेडो, फ्लिंट, लांसिंग मुख्य विशेषताएँ / उद्योग ❖ टोलेडो: काँच व ऑटो पार्ट्स ❖ फ्लिंट: ऑटोमोबाइल ❖ आधार: महान झीलों का सस्ता जल परिवहन

2. निम्नलिखित में से कौन संयुक्त राज्य अमेरिका के औद्योगिक क्षेत्र हैं?

- (A) मिशिगन झील औद्योगिक क्षेत्र
 (B) दक्षिण अप्लेशियन औद्योगिक क्षेत्र
 (C) विंडसर औद्योगिक क्षेत्र
 (D) प्रशांत तटीय औद्योगिक क्षेत्र

**(6) परिवहन तन्त्र**

1. स्टुअर्ट राजमार्ग जोड़ता है:

- (1) पूर्वी और पश्चिमी कनाडा
- (2) USA और कनाडा
- (3) उत्तरी और दक्षिणी ऑस्ट्रेलिया
- (4) उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका
- (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर: (3)

व्याख्या:

- ❖ स्टुअर्ट राजमार्ग बर्डम (उत्तर ऑस्ट्रेलिया) से ऊडनाडट्टा (दक्षिण ऑस्ट्रेलिया) — ऐलिस स्प्रिंग्स के माध्यम से होकर गुजरता है। (RBSE के अनुसार)
- ❖ डार्विन (उत्तर) से पोर्ट ऑगस्टा (दक्षिण) — ऐलिस स्प्रिंग्स के माध्यम से होकर गुजरता है।

विश्व के प्रमुख सड़क मार्ग

राजमार्ग	संयुक्त क्षेत्र / देश	महत्वपूर्ण विवरण
पैन-अमेरिकन राजमार्ग	उत्तरी अमेरिका, मध्य अमेरिका, दक्षिण अमेरिका	❖ विश्व का सबसे लंबा राजमार्ग। ❖ उत्तर-पश्चिम अलास्का से प्रारंभ होकर ब्रासीलिया (ब्राज़ील) तक जाता है। ❖ यह सैंटियागो (चिली) और ब्यूनस आयर्स (अर्जेन्टीना) से होकर गुजरता है।
ट्रांस-कैनेडियन राजमार्ग	कनाडा (पूर्व-पश्चिम)	❖ सेंट जॉन (न्यूफ़ाउंडलैंड प्रांत) से वैंकूवर (ब्रिटिश कोलंबिया) से होकर गुजरता है।
अलास्का राष्ट्रीय राजमार्ग	कनाडा-संयुक्त राज्य अमेरिका	❖ एडमोंटन (कनाडा) से एंकोरेज (अलास्का, USA) से होकर गुजरता है।

2. निम्नलिखित में से किस देश में रेलवे घनत्व सर्वाधिक है?

- (1) चेकिया
- (2) स्विट्जरलैंड
- (3) बेल्जियम
- (4) ऑस्ट्रिया
- (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर: (2)

व्याख्या:

रेलवे घनत्व (प्रति 1000 वर्ग किलोमीटर में संचालित रेलमार्ग)		
स्थान	देश	घनत्व
1.	स्विट्जरलैंड	128.8
2.	चेकिया	120.6
3.	बेल्जियम	118.9

3. निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (A) दक्षिण अमेरिका में विश्व का सबसे बड़ा आंतरिक जलमार्ग तंत्र है।
 - (B) मरे-डार्लिंग ऑस्ट्रेलिया की एकमात्र नौगम्य नदी है।
- नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:
- (1) केवल (A)
 - (2) केवल (B)
 - (3) दोनों सही हैं
 - (4) दोनों गलत हैं
 - (5) प्रश्न का प्रयास नहीं किया

उत्तर: (3)

व्याख्या:

(A) ✓	दक्षिण अमेरिका: ❖ प्रमुख नदियां / जलमार्ग: अमेज़न एवं इसकी सहायक नदियाँ, पराना, पराग्वे, प्लाटा। ❖ नौगम्यता एवं विस्तार: अमेज़न तंत्र लगभग 30,000 किमी लंबा जलमार्ग प्रदान करता है ❖ पराना-पराग्वे-प्लाटा तंत्र मुहाने से लगभग 1500 किमी तक नौगम्य ❖ महत्व: विश्व का सबसे बड़ा आंतरिक जलमार्ग नेटवर्क ❖ दक्षिणी ब्राजील, अर्जेन्टीना एवं उरुग्वे के लिए महत्वपूर्ण
(B) ✓	ऑस्ट्रेलिया: ❖ प्रमुख नदियां / जलमार्ग: मरे, डार्लिंग ❖ नौगम्यता एवं विस्तार: मरे एवं डार्लिंग मुहाने से लगभग 1500 किमी तक नौगम्य ❖ अन्य नदियां नौगम्य नहीं ❖ महत्व: ऑस्ट्रेलिया की एकमात्र प्रमुख नौगम्य नदियाँ ❖ आंतरिक जल परिवहन अत्यंत सीमित

**(7) पर्यावरणीय मुद्दे**

1. निम्नलिखित में से कौन से कथन **सही** हैं?

- (A) संयुक्त राष्ट्र मरुस्थलीकरण रोकथाम अभिसमय (UNCCD) भूमि क्षरण और मरुस्थलीकरण से निपटने के लिए कानूनी रूप से बाध्यकारी अंतर्राष्ट्रीय समझौता है।
- (B) बॉन चुनौती एक वैश्विक पहल है जिसका उद्देश्य क्षरित वनों को पुनर्स्थापित करना और पारिस्थितिक संतुलन में सुधार करना है।
- (C) 2015 में पेरिस जलवायु शिखर सम्मेलन में, भारत को 2030 तक कुल 80 लाख हेक्टेयर भूमि को पुनर्स्थापित करने के लिए कानूनी रूप से बाध्य किया गया था।

विकल्प:

- (1) केवल (A) और (B)
- (2) केवल (B) और (C)
- (3) केवल (A) और (C)
- (4) सभी सही हैं
- (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर: (1)

व्याख्या:

(A) ✓	❖ UNCCD संयुक्त राष्ट्र के अंतर्गत एकमात्र कानूनी रूप से बाध्यकारी अंतरराष्ट्रीय समझौता है जो पर्यावरण और विकास दोनों मुद्दों से संबंधित है।
(B) ✓	❖ बॉन चुनौती 2011 में जर्मनी के बॉन शहर में शुरू की गई एक वैश्विक पहल है जिसका उद्देश्य वनों और क्षरित भूमि का पुनर्स्थापन करना है।
(C) X	❖ भारत की प्रतिबद्धता बॉन चुनौती के तहत स्वैच्छिक थी, न कि कानूनी रूप से बाध्यकारी, और इसमें 8 मिलियन हेक्टेयर का लक्ष्य स्वैच्छिक रूप से रखा गया था।

अतिरिक्त जानकारी

‘संयुक्त राष्ट्र मरुस्थलीकरण रोकथाम अभिसमय’ (UN Convention to Combat Desertification-UNCCD)

- ❖ यह अभिसमय संयुक्त राष्ट्र के अंतर्गत तीन **रियो अभिसमय (Rio Conventions)** में से एक है।
- ❖ UNCCD एकमात्र अंतर्राष्ट्रीय समझौता है जो पर्यावरण एवं विकास के मुद्दों पर कानूनी रूप से बाध्यकारी है।
- ❖ मरुस्थलीकरण की चुनौती से निपटने के लिए अंतर्राष्ट्रीय

प्रयासों के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष **17 जून** को **‘विश्व मरुस्थलीकरण और सूखा रोकथाम दिवस’** मनाया जाता है।

बॉन चुनौती

- ❖ बॉन चुनौती (Bonn Challenge) एक वैश्विक पहल है, जिसका उद्देश्य वनों के पुनर्स्थापन के माध्यम से पर्यावरण और पारिस्थितिक संतुलन को सुधारना है। इसे वर्ष 2011 में जर्मनी के बॉन शहर में शुरू किया गया था।
- ❖ इस चुनौती का लक्ष्य है:
 - 2020 तक 150 मिलियन हेक्टेयर क्षरित और वनविहीन भू-क्षेत्र को पुनःस्थापित करना तथा 2030 तक 350 मिलियन हेक्टेयर भू-क्षेत्र को पुनःस्थापित करना है।
- ❖ पेरिस में आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन, 2015 में भारत ने स्वैच्छिक रूप से बॉन चुनौती पर स्वीकृति दी
- ❖ शुरुआत में भारत ने 2015 में बॉन चुनौती के तहत दो चरणों में वनों और परिदृश्य के पुनर्स्थापन का लक्ष्य रखा था:
 - 2020 तक 13 मि. हे. भूमि का पुनर्स्थापन।
 - 2030 तक 8 मि. हे. अतिरिक्त भूमि का पुनर्स्थापन।
- ❖ बाद में, भारत ने इन लक्ष्यों को बढ़ाकर 2030 तक कुल **26 मि. हे. भूमि** के पुनर्स्थापन का लक्ष्य निर्धारित किया।

2. भारत में कार्बन क्रेडिट प्रमाणपत्रों के व्यापार का नियामक निम्नलिखित में से कौन है?

- (1) पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
- (2) ऊर्जा दक्षता ब्यूरो
- (3) केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग (सीईआरसी)
- (4) भारतीय कार्बन बाज़ार के लिए राष्ट्रीय संचालन समिति (एनएससीआईसीएम)
- (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर: (3)

व्याख्या:

- ❖ **CERC भारत में कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग स्कीम के तहत कार्बन क्रेडिट प्रमाणपत्रों के व्यापार का नियामक है।**
- ❖ MoEFCC targets जारी करता है।
- ❖ BEE CCTS का प्रशासक है।
- ❖ NSICM निगरानी/मार्गदर्शन करता है, लेकिन व्यापार का नियामक नहीं है।



(8) विश्व भूगोल से संबंधित मानचित्र

मानचित्र 2.1



**NORTH AMERICA: MOUNTAIN RANGES, PLAINS,
DESERTS AND A FEW PLATEAUS**